GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY GENERAL AWARENESS QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

1. गरीबी-मुक्त गाँव बनाने के लिए 'मिशन समृद्ध गाँव' शुरू किया गया है। इसी संदर्भ में बताइए कि आज़ाद भारत में 1979 में गरीबी रेखा का पहला आधिकारिक अनुमान किसने तैयार किया था?
(A) सुरेश तेंदुलकर (B) वाई. के. अलग
(C) सी. रंगराजन (D) वी. एम. दांडेकर

2. चेन्नई में भारत और वियतनाम के कोस्ट गार्ड्स की 7वीं हाई-लेवल मीटिंग हुई। इसी संदर्भ में बताइए कि समुद्री सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए भारत ने 2023 में वियतनाम पीपल्स नेवी को कौन-सी इन-सर्विस मिसाइल कार्वेट तोहफ़े में दी थी?
(A) INS खुकरी (B) INS कृपाण
(C) INS खंजर (D) INS कोरा

3. UNDP इंडिया और HUL ने 50,000 सफाई मित्रों के लिए साझेदारी की है। इसी संदर्भ में हमें बताएं कि यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (UNDP) ने भारत में अपना काम और कामकाज किस साल शुरू किया था?
(A) 1947 (B) 1951
(C) 1965 (D) 1972

4. आर्कटिक में बढ़ती गर्मी के कारण टुंड्रा में हरियाली बढ़ रही है और झाड़ियों का विस्तार हो रहा है, जो तेज़ी से बदलते इकोसिस्टम का संकेत है। इसी संदर्भ में, गर्म होते आर्कटिक टुंड्रा में लंबे पौधों और झाड़ियों के फैलने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
(A) मरुस्थलीकरण (B) बायोमैग्निफिकेशन
(C) यूट्रोफिकेशन (D) श्रबीफिकेशन

5. बनास डेयरी, सुज़ुकी और NDDB ने बनासकांठा में बायो-CNG प्लांट का उद्घाटन किया। इसी संदर्भ में बताइए कि बायो-CNG के उत्पादन के दौरान ऑर्गेनिक वेस्ट को बायोगैस में बदलने के लिए किस बायोलॉजिकल प्रोसेस का इस्तेमाल किया जाता है?
(A) एरोबिक रेस्पिरेशन (B) फ्रैक्शनल डिस्टिलेशन
(C) एनारोबिक डाइजेशन (D) पायरोलिसिस

6. मंगोलिया में ग्लोबल लैंड कंजर्वेशन समिट (वैश्विक भूमि संरक्षण शिखर सम्मेलन) संपन्न हुआ और मिस्र UNCCD COP18 की मेजबानी की तैयारी कर रहा है।
UNCCD के तहत अंतरराष्ट्रीय ढांचे और साझेदारियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
(1) 'यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन' (UNCCD) में 197 पक्ष (सदस्य) शामिल हैं, जिनमें यूरोपीय संघ और भारत भी हैं।
(2) 2019 में भारत द्वारा आयोजित UNCCD COP14 के दौरान 'नई दिल्ली घोषणा' को अपनाया गया था।
(3) रियाद में COP16 के दौरान 2.15 बिलियन डॉलर का सार्वजनिक वित्त (फंड) उपलब्ध कराने के लिए 'Business4Land' पहल शुरू की गई थी।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

7. दक्षिण कोरिया में हुए 48वें सत्र में सारनाथ को UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
सारनाथ की UNESCO मान्यता और धरोहर प्रोफ़ाइल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
(1) सारनाथ को 1998 में भारत की UNESCO विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची में शामिल किया गया था।
(2) सारनाथ के शामिल होने के साथ, बुद्ध से जुड़े सभी चार प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थल अब UNESCO विश्व धरोहर स्थल बन गए हैं।
(3) यह पुरातात्विक स्थल पूर्व-मौर्य काल से लेकर 12वीं शताब्दी ईस्वी तक लगभग 16 सदियों के निरंतर विकास को दर्शाता है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

8. नेपाल में हिमस्खलन के कारण त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे तिब्बत सीमा के पास बैरियर झीलें बन गईं। बैरियर झीलों और उनसे जुड़े खतरों के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार करें:
(1) बैरियर झील तब बनती है जब नदी घाटी में भूस्खलन, चट्टान गिरने या हिमस्खलन के कारण पानी का बहाव रुक जाता है।
(2) लैंडस्लाइड लेक आउटबर्स्ट फ्लड (LLOF) तब आते हैं जब प्राकृतिक रूप से रुके हुए पानी की दीवार (मलबे की दीवार) टूटे बिना ही पानी धीरे-धीरे वाष्पित हो जाता है।
(3) बैरियर झील के अचानक टूटने से भारी मात्रा में मलबा और पानी निकलता है, जिससे GLOF की तरह ही नदी के निचले इलाकों में विनाशकारी बाढ़ आती है।
उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

1-{B} - 2-{B} - 3-{B} - 4-{D} - 5-{C} - 6-{B} - 7-{A} 8-{A}

GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY GENERAL STUDIES QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

PHYSICS

1. क्वांटम यांत्रिकी में शून्य-बिंदु ऊर्जा का अर्थ है:
(A) परम शून्य तापमान पर पूर्ण ऊर्जा का अभाव
(B) न्यूनतम अवस्था में भी क्वांटम तंत्र की न्यूनतम ऊर्जा
(C) केवल नाभिकीय अभिक्रिया से उत्पन्न ऊर्जा
(D) विकिरण द्वारा ऊर्जा हानि

2. विद्युत चुंबकीय तरंगों के लिए डॉप्लर प्रभाव ध्वनि तरंगों से अलग है क्योंकि:
(A) प्रकाश को माध्यम की आवश्यकता नहीं होती
(B) प्रकाश की आवृत्ति नहीं होती
(C) ध्वनि प्रकाश से तेज चलती है
(D) विद्युत चुंबकीय तरंगें डॉप्लर प्रभाव नहीं दिखातीं

3. ठोसों में ऊर्जा बैंड का निर्माण समझाया जाता है:
(A) क्रिस्टल जालक में इलेक्ट्रॉनों की पारस्परिक क्रिया से
(B) परमाणु संरचना की अनुपस्थिति से
(C) परमाणुओं के गुरुत्वीय आकर्षण से
(D) नाभिकीय क्षय से

4. विद्युत चुंबकीय अंत:क्रिया का मूल वाहक कण है:
(A) इलेक्ट्रॉन
(B) फोटॉन
(C) न्यूट्रिनो
(D) प्रोटॉन

5. नाभिकीय संलयन से अत्यधिक ऊर्जा निकलने का मुख्य कारण है:
(A) द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन
(B) विद्युत प्रतिरोध में वृद्धि
(C) केवल इलेक्ट्रॉन निर्माण
(D) गुरुत्व बल में कमी

6. अध्यारोपण सिद्धांत लागू होता है:
(A) केवल अरैखिक तंत्रों में
(B) रैखिक भौतिक तंत्रों में
(C) केवल गुरुत्वीय तंत्रों में
(D) केवल रासायनिक अभिक्रियाओं में

7. न्यूट्रॉन की खोज ने समझाने में सहायता की:
(A) केवल परमाणु आवेश
(B) नाभिकीय द्रव्यमान और समस्थानिक
(C) इलेक्ट्रॉन कक्षा गति
(D) विद्युत चुंबकीय विकिरण

8. ऑप्टिकल फाइबर में संकेत बहुत कम हानि के साथ संचरित होते हैं क्योंकि:
(A) पूर्ण आंतरिक परावर्तन
(B) प्रकाश का पूर्ण अवशोषण
(C) तरंगदैर्ध्य में वृद्धि
(D) फोटॉन की अनुपस्थिति

9. कण भौतिकी का मानक मॉडल वर्णन करता है:
(A) केवल गुरुत्वीय बल
(B) मूलभूत कणों और तीन मूलभूत बलों को
(C) केवल ग्रहों की गति
(D) केवल रासायनिक बंधन

10. युग्म उत्पादन दर्शाता है:
(A) ऊष्मा का विद्युत में परिवर्तन
(B) ऊर्जा का पदार्थ में परिवर्तन
(C) पदार्थ का ध्वनि में परिवर्तन
(D) चुंबकीय क्षेत्र का आवेश में परिवर्तन

1-{B}-2-{A}-3-{A}-4-{B}-5-{A}-6-{B}-7-{B}-8-{A}-9-{B}-10-{B}

GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY STATIC GK ONE-LINERS

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

विश्व के प्रमुख बाँध

1. परिचय

बाँध आधुनिक जल–ऊर्जा–खाद्य सुरक्षा (Water–Energy–Food Nexus) के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनका उपयोग जलविद्युत उत्पादन, सिंचाई, पेयजल, बाढ़ नियंत्रण तथा नदी नौवहन के लिए किया जाता है।

International Commission on Large Dams (ICOLD) के World Register में 55,000 से अधिक बड़े बाँध दर्ज हैं।

ICOLD सामान्यतः 15 मीटर या अधिक ऊँचे बाँध, अथवा कुछ निर्धारित भंडारण मानदंडों वाले 5–15 मीटर के बाँध को "Large Dam" की श्रेणी में रखता है।

2. विश्व के प्रमुख बाँध—नदी, देश एवं वर्ष

बाँध	नदी	देश/स्थान	निर्माण/पूर्णता	विशेषता	चित्र
Three Gorges	Yangtze	चीन	निर्माण 1994 से; मुख्य बाँध 2006	22,500 MW, विश्व की सर्वाधिक स्थापित क्षमता वाली जलविद्युत परियोजना	
Itaipu	Paraná	ब्राज़ील–पराग्वे	विद्युत उत्पादन 1984 से	द्विराष्ट्रीय परियोजना; लगभग 14,000 MW	
Aswan High Dam	Nile	मिस्र	1970	Lake Nasser; बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई एवं विद्युत	
Hoover Dam	Colorado	USA	1936	Nevada–Arizona क्षेत्र; Lake Mead का निर्माण	
Tarbela Dam	Indus	पाकिस्तान	निर्माण 1968–1976	विश्व के विशाल earth & rock-fill dams में; Indus Basin Project का भाग	
Kariba Dam	Zambezi	Zambia–Zimbabwe	1959	विशाल Lake Kariba एवं द्विराष्ट्रीय जलविद्युत	
Akosombo Dam	Volta	Ghana	1965	Lake Volta का निर्माण	
Atatürk Dam	Euphrates	Türkiye	1992	GAP परियोजना; सिंचाई एवं जलविद्युत	
GERD	Blue Nile	Ethiopia	निर्माण 2011 से; उद्घाटन 9 सितम्बर 2025	अफ्रीका की सबसे बड़ी hydroelectric facility; 5,150 MW डिजाइन क्षमता	

3. आर्थिक एवं रणनीतिक महत्त्व

- **ऊर्जा सुरक्षा:** Three Gorges, Itaipu और GERD बड़े पैमाने पर निम्न–कार्बन बिजली उपलब्ध कराते हैं।
- **खाद्य सुरक्षा:** Aswan, Tarbela और Atatürk जैसी परियोजनाएँ सिंचाई को समर्थन देती हैं।
- **बाढ़ नियंत्रण:** मानसूनी/मौसमी नदी प्रवाह का नियमन।
- **नौवहन एवं क्षेत्रीय विकास:** विशेषतः Yangtze जैसी नदियों पर।
- बड़े जलाशय मत्स्य पालन, पर्यटन और औद्योगिक विकास में सहायक हैं।

4. भू-राजनीतिक महत्त्व – Transboundary Water Politics

- GERD–Blue Nile: इथियोपिया के लिए ऊर्जा एवं विकास का प्रतीक, जबकि डाउनस्ट्रीम मिस्र जल सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। 2025 में उद्घाटन के बाद भी संचालन एवं जल–वितरण को लेकर विवाद बना हुआ है।
- Tarbela–Indus: इसका विकास 1960 की Indus Waters Treaty के बाद Indus Basin Project के हिस्से के रूप में हुआ।
- Itaipu: Brazil–Paraguay के बीच Transboundary Cooperation का प्रमुख उदाहरण।

5. पर्यावरणीय एवं सामाजिक चुनौतियाँ

- बड़े पैमाने पर विस्थापन एवं पुनर्वास।
- नदी पारिस्थितिकी एवं मछलियों के प्रवास में बाधा।
- Sedimentation से जलाशय क्षमता में कमी।
- डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में तलछट एवं पोषक तत्वों की कमी।
- वन एवं जैव विविधता की हानि।
- जलवायु परिवर्तन के कारण Extreme Floods और Droughts से बाँध संचालन एवं सुरक्षा की चुनौती बढ़ना।

6. विशेष कालक्रम

- 1936 – Hoover
- 1959 – Kariba
- 1965 – Akosombo
- 1970 – Aswan
- 1976 – Tarbela
- 1984 – Itaipu
- 1992 – Atatürk
- 2006 – Three Gorges
- 2025 – GERD उद्घाटन

7. निष्कर्ष

विश्व के बड़े बाँध ऊर्जा सुरक्षा, सिंचाई एवं आर्थिक विकास के शक्तिशाली साधन हैं, लेकिन इनके लाभों को विस्थापन, पारिस्थितिक क्षति और अंतरराष्ट्रीय जल–विवादों के संदर्भ में देखना आवश्यक है।

भविष्य की नीति Integrated River Basin Management + Environmental Flows + Dam Safety + Benefit Sharing + Transboundary Water Cooperation पर आधारित होनी चाहिए।

UPSC KEYWORDS: Hydro-politics • Water Diplomacy • Transboundary Rivers • Water–Energy–Food Nexus • Environmental Flow • Sedimentation • Climate Resilience • Benefit Sharing • Integrated River Basin Management

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ

समाचार में क्यों?

भारत और दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ ने **12 अगस्त, 2026 को नई दिल्ली** में **तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए)** के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने के लिए संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर किए।

Since 1910
SACU
SOUTHERN AFRICAN CUSTOMS UNION

अर्थप्रकाशक: -

परिचय -

- दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (SACU) एक **अफ्रीकी क्षेत्रीय आर्थिक संगठन** है और यह **दुनिया का सबसे पुराना सीमा शुल्क संघ** है।
- यह अपने सदस्य देशों के बीच एक एकल सीमा शुल्क क्षेत्र बनाता है, जहाँ आपस में वस्तुओं की मुक्त आवाजाही होती है और बाहरी देशों से आयात पर एक समान शुल्क लगाया जाता है।

स्थापना (1910)-

- SACU की स्थापना **1910** में हुई थी, औपनिवेशिक काल के दौरान।
- यह **यूनियन ऑफ साउथ अफ्रीका** और तत्कालीन **हाई कमीशन टेरिटरीज़** (बासुतोलैंड, बेचुआनालैंड और स्वाज़ीलैंड — आज के लेसोथो, बोत्सवाना और एस्वातिनी) के बीच समझौते से बना।
- इसे इसीलिए **"विश्व का सबसे पुराना विद्यमान सीमा शुल्क संघ"** माना जाता है।
- समझौते को **1969** में पुनः बातचीत के बाद संशोधित किया गया, और **2002** में एक व्यापक नया समझौता हुआ जो **2004** से लागू हुआ, जिसने छोटे सदस्य देशों को निर्णय-निर्माण और राजस्व-बंटवारे में अधिक भागीदारी दी।

सदस्य देश (5 देश)-

- **दक्षिण अफ्रीका , बोत्सवाना , लेसोथो ,नामीबिया ,एस्वातिनी** — पूर्व में स्वाज़ीलैंड

उद्देश्य -

- सदस्य देशों के बीच वस्तुओं की **मुक्त आवाजाही** को सुगम बनाना।
- गैर-सदस्य देशों से आयात पर **समान बाह्य शुल्क** बनाए रखना।
- **क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण** और सहयोग को बढ़ावा देना।
- सदस्य देशों के बीच **न्यायसंगत राजस्व बंटवारा** सुनिश्चित करना।
- सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के **औद्योगिक विकास और विविधीकरण** को बढ़ावा देना।
- व्यापार नीतियों में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और समन्वय स्थापित करना।

SACU की संरचना -

- 2002 के समझौते के अनुसार SACU की संस्थागत संरचना इस प्रकार है:
- **मंत्रि परिषद** – सर्वोच्च निर्णय-निर्माण निकाय, जिसमें प्रत्येक सदस्य देश के मंत्री शामिल होते हैं।
- **सीमा शुल्क संघ आयोग** – वरिष्ठ अधिकारी जो निर्णयों के क्रियान्वयन की देखरेख करते हैं।
- **सचिवालय** – **विंडहोक, नामीबिया** में स्थित, जो दैनिक प्रशासनिक कार्यों के लिए जिम्मेदार है।
- **टैरिफ बोर्ड** – शुल्क और व्यापार उपायों पर सिफारिशें देने वाला निकाय।
- **तकनीकी संपर्क समितियाँ** – कृषि, सीमा शुल्क, व्यापार व उद्योग जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं।
- **न्यायाधिकरण** – सदस्य देशों के बीच विवाद निपटान के लिए।

कार्य / यह कैसे काम करता है -

- SACU के भीतर व्यापार होने वाली वस्तुएँ **शुल्क-मुक्त** रूप से सीमाओं के पार जाती हैं।
- गैर-सदस्य देशों से आयातित वस्तुओं पर एक **समान बाह्य शुल्क (CET)** समान रूप से लागू होता है।
- गैर-सदस्य देशों से प्राप्त सीमा शुल्क राजस्व को एक **साझा राजस्व पूल** में जमा किया जाता है।
- सदस्य देश व्यापार सुरक्षा उपायों (एंटी-डंपिंग, काउंटरवेलिंग उपाय, सेफगार्ड) पर नीतियों का समन्वय करते हैं।
- **दक्षिण अफ्रीका**, समूह की सबसे बड़ी और सबसे औद्योगीकृत अर्थव्यवस्था होने के कारण, ऐतिहासिक रूप से शुल्क-निर्धारण में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है, हालाँकि 2002 के समझौते के बाद संयुक्त निर्णय-निर्माण को बढ़ावा मिला है।

राजस्व बंटवारा सूत्र -

- 2002 के समझौते के तहत, सीमा शुल्क व राजस्व को तीन घटकों के आधार पर बाँटा जाता है:
- **सीमा शुल्क घटक** – सदस्य देशों के आपसी व्यापार में हिस्सेदारी के आधार पर।
- **उत्पाद शुल्क घटक** – कुल SACU GDP में प्रत्येक देश की हिस्सेदारी के आधार पर।

GYANSHILA IAS
Learning Institute

MAP OF THE DAY BHARAT

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

वेलिकोंडा पर्वतमाला
(पूर्वी घाट - आंध्र प्रदेश)

1. स्थिति एवं अभिमुखता

- यह दक्षिण-पूर्वी आंध्र प्रदेश में स्थित है और पूर्वी घाट की मध्य भाग की श्रृंखला का हिस्सा है।
- इसकी दिशा उत्तर-दक्षिण है और यह उस स्थान पर पूर्वी घाट का पूर्वी भाग बनाती है।
- यह समानान्तर **पालकोंडा-लंकोमल्ला-नल्लमाला** पर्वतमालाओं के **पूर्व** में स्थित है।
- पश्चिम में ऊँची **पालकोंडा-लंकोमल्ला-नल्लमाला** पर्वतमालाएँ हैं और पूर्व में निम्न वेलिकोंडा पर्वतमाला है।

2. भूवैज्ञानिक उत्पत्ति

- वेलिकोंडा पर्वतमालाओं का उत्थान कैंब्रियन काल में हुआ (लगभग 540 से 490 मिलियन वर्ष पूर्व)।
- ये प्राचीन पर्वतों के अवशेष हैं जिन्हें अनेक नदियों/नालों ने काटकर और क्षरण करके वर्तमान रूप दिया है।

महत्वपूर्ण परीक्षा कोण (UPSC):
यह तथ्य दर्शाता है कि पूर्वी घाट, हिमालय से प्राचीन हैं, लेकिन भूवैज्ञानिक रूप से असतत/खंडित हैं।

स्थान मानचित्र

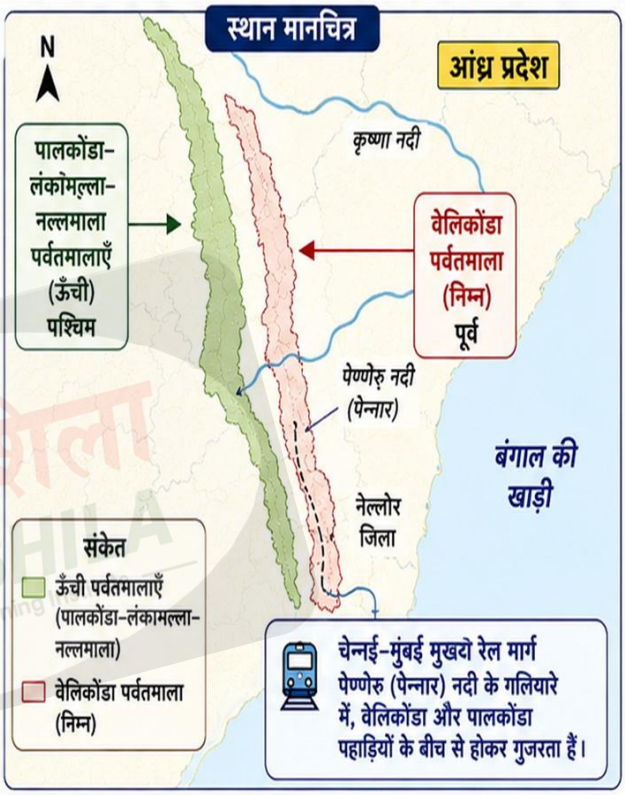

3. ऊँचाई

- वेलिकोंडा पर्वतमाला की औसत **ऊँचाई 2,500 से 3,000 फीट (750 से 900 मीटर)** है।
- यह ऊँचाई पश्चिमी घाट की तुलना में काफी कम है।

4. जल निकास एवं नदी घाटियाँ

- नदियाँ पहाड़ियों में संकीर्ण दर्रों (गैप) से होकर गुज़रती हैं, जिनमें सामान्यतः तीव्र वेग (रैपिड्स) पाए जाते है।
- चेन्नई से मुंबई जाने वाला मुख्य रेल मार्ग पेण्णेरु (पेन्नार) नदी के गलियारे में, वेलिकोंडा और पालकोंडा पहाड़ियों के बीच से होकर गुज़रता है।

- वेलिकोंडा पर्वतमाला **कृष्णा और पेन्नार** नदियों के बीच स्थित है।
- पालकोंडा पहाड़ियों और वेलिकोंडा पर्वतमाला के बीच एक दर्रा है जहाँ **पंचू एवं चेय्योंरु** नदियाँ मिलती हैं।
- यह पर्वतमाला उत्तर दिशा के **नेल्लोर जिले** में तटीय मैदानों तक धीरे-धीरे उतरती है।

5. जनसंख्या / मानव भूगोल

- ये पर्वत क्षेत्र विरल वनों से आच्छादित हैं और यहाँ मानव आबादी लगभग नहीं के बराबर है, केवल **चेंचू जनजाति** के कुछ समूह रहते हैं।

महत्वपूर्ण परीक्षा कोण (UPSC):
चेंचू जनजाति नल्लमाला वनों से भी जुड़ी होती है, अतः यह जनजातीय भूगोल का महत्वपूर्ण तथ्य है।

6. पूर्वी घाट प्रणाली में वेलिकोडा का संदर्भ

- पूर्वी घाट असतत एवं निम्न पर्वत श्रृंखलाओं की एक श्रृंखला है — **वेलिकोंडा, ओडिशा की मालिय पहाड़ियों, नल्लमाला, पालकोंडा, जावादी, शेवराय** आदि।
- इन पर्वत समूहों में न तो संरचनात्मक एकरूपता है और न ही भौगोलिक निरंतरता, इसलिए इन्हें स्वतंत्र इकाइयों के रूप में माना जाता है।
- गोडावरी और कृष्णा नदियों के बीच पूर्वी घाट लगभग लुप्त हो जाते हैं, और केवल महानदी और गोडावरी के बीच के उत्तरी भाग में ही ये वास्तविक पर्वतीय रूप धारण करते हैं।

पूर्वी घाट - समग्र तथ्य (संदर्भ हेतु)

लंबाई:	चौड़ाई:	क्षेत्रफल:	सबसे ऊँची चोटी:	प्रकृति:	भूवैज्ञानिक आयु:
1,750 किमी (उत्तर-दक्षिण)	100-200 किमी (पूर्व-पश्चिम)	75,000 वर्ग किमी (लगभग)	अर्मा कॉन्डा (1,680 मीटर) आंध्र प्रदेश में	असतत, निम्न एवं प्राचीन पर्वत	हिमालय से प्राचीन (कैंब्रियन काल में उत्थान)

UPSC परीक्षा महत्व: | भौतिक भूगोल | जल निकास एवं दर्रे | जनजातियाँ (चेंचू) | अवसंरचना (रेलमार्ग) | पूर्वी घाट की विशेषताएँ

GYANSHILA IAS
Learning Institute

MAP OF THE DAY WORLD

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

मुर्रे-डार्लिंग बेसिन (Murray-Darling Basin), ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के अंतर्देशीय दक्षिणपूर्वी भाग में स्थित मुर्रे-डार्लिंग बेसिन में प्रमुख नदियाँ, आर्द्रभूमि, बाढ़ के मैदान, झीलें और विविध प्रकार के आवास शामिल हैं, जो इसे जल, कृषि और जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं।

स्थान: मुर्रे-डार्लिंग बेसिन दक्षिणपूर्वी ऑस्ट्रेलिया में स्थित है। यह न्यू साउथ वेल्स, क्वींसलैंड, विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र (एसीटी) में फैला हुआ है।

आकार: मुर्रे-डार्लिंग बेसिन 10 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जो ऑस्ट्रेलिया के कुल भूभाग का लगभग सातवां हिस्सा है। इसकी नदियों की कुल लंबाई लगभग 77,000 किलोमीटर है।

प्रमुख नदियाँ:
- मुर्रे नदी ऑस्ट्रेलिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई 2,508 किमी है।
- डार्लिंग नदी ऑस्ट्रेलिया की तीसरी सबसे लंबी नदी है और न्यू साउथ वेल्स-विक्टोरिया सीमा के पास मुर्रे नदी में मिलती है।

नदी प्रणाली: इस नदी बेसिन में 23 नदियाँ शामिल हैं, जिनमें मुर्रे, डार्लिंग, मुर्रेम्बिजी, लाचलान और गौलोबर्ग शामिल हैं। इसकी कुल नदी लंबाई लगभग 77,000 किमी है।

आर्द्रभूमि:
- इस बेसिन में 30,000 से अधिक आर्द्रभूमि हैं।
- इनमें से ग्यारह रामसर कन्वेशन के तहत संरक्षित हैं, जबकि 16 आर्द्रभूमि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण हैं।

कृषि: ऑस्ट्रेलिया के कृषि उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा इस बेसिन से आता है।

वनस्पति: नदी के किनारे उगने वाले लाल गोंद के जंगल, बाढ़ के मैदानों में स्थित वन, झाड़ियाँ, घास के मैदान, सेज के मैदान और जड़ी-बूटियों के मैदान पूरे बेसिन में पाए जाते हैं। देशी पौधे मिट्टी के कटाव को कम करते हैं, पानी को छानते हैं और वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करते हैं।

पर्यावरणीय चुनौतियाँ: नदियों के प्रवाह में कमी, सूखा, जल दोहन, खारापन, शैवाल का अत्यधिक विकास और बाहरी प्रजातियों ने बेसिन के पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित किया है। कार्प मछली जल की गुणवत्ता को कम कर सकती है और देशी मछलियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकती है।

मुर्रे-डार्लिंग बेसिन का मानचित्र

जैव विविधता (वन्यजीव)

सांस्कृतिक महत्व: 50 से अधिक मूल निवासी समुदायों का इस बेसिन के साथ दीर्घकालिक सांस्कृतिक संबंध है। इसके जलमार्ग सांस्कृतिक प्रथाओं, समारोहों, मछली पकड़ने, शिकार करने और देश की देखभाल करने की जिम्मेदारियों का समर्थन करते हैं।

जल प्रबंधन: लंबे समय तक सूखे और अत्यधिक दोहन से नदी के स्वास्थ्य को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बाद मुर्रे-डार्लिंग बेसिन योजना विकसित की गई थी। मुर्रे-डार्लिंग बेसिन प्राधिकरण इस योजना की निगरानी करता है और इस पर रिपोर्ट देता हैं।

त्वरित तथ्य

- कुल क्षेत्रफल: 10 लाख वर्ग किमी से अधिक
- कुल नदी लंबाई: लगभग 77,000 किमी
- आर्द्रभूमि: 30,000+ (11 रामसर साइट)
- कृषि उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा
- 50+ मूल निवासी समुदाय जुड़े हुए

DAILY CURRENT AFFAIRS QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

Tuesday, 01 September 2026

1. मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस 2026, किस तारीख को राष्ट्रीय स्तर पर मनाया गया?
(A) 27 अगस्त (B) 28 अगस्त
(C) 29 अगस्त (D) 30 अगस्त

2. अगस्त 2026 में किस संस्थान ने तीन-टीमों वाले नए इनवेज़न स्पोर्ट 'फिबॉल' (Phiball) को लॉन्च किया?
(A) IIT मद्रास (B) IIT दिल्ली
(C) IIT बॉम्बे (D) IIT कानपुर

3. किस भारतीय राज्य ने देश का पहला राज्य-स्तरीय स्पोर्ट्स जीनोमिक्स प्रोग्राम शुरू किया है?
(A) महाराष्ट्र (B) गुजरात
(C) कर्नाटक (D) तमिलनाडु

4. अगस्त 2026 में किस देश ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को विदेशी नेताओं के लिए अपना सर्वोच्च सम्मान, "ओली दाराजली डोस्टलिक" ऑर्डर प्रदान किया?
(A) कजाकिस्तान (B) ताजिकिस्तान
(C) किर्गिस्तान (D) उज़्बेकिस्तान

5. किस टीम ने लगातार दूसरी बार FIH पुरुष हॉकी विश्व कप जीता?
(A) जर्मनी (B) अर्जेंटीना
(C) स्पेन (D) नीदरलैंड्स

6. किस विभाग ने 'लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) रूल्स, 2026' को अधिसूचित किया, जिससे IST भारत में आधिकारिक समय
(A) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
(B) उपभोक्ता मामले विभाग
(C) संचार मंत्रालय
(D) दूरसंचार विभाग

7. भारत में राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस कब मनाया जाता है?
(A) 27 अगस्त (B) 28 अगस्त
(C) 29 अगस्त (D) 30 अगस्त

8. अगस्त 2026 में किस संस्था के तहत भारत के पहले एकसमान शवगृह (मॉर्ट्युरी) मानक तय किए गए?
(A) नेशनल मेडिकल कमीशन
(B) सेंट्रल क्लिनिकल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी
(C) नेशनल काउंसिल फॉर क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स
(D) नेशनल हेल्थ स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी

9. भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किसने किया?
(A) राजनाथ सिंह (B) अजीत डोभाल
(C) विक्रम मिस्री (D) एस. जयशंकर

10. EOS-05, जिसे GISAT-1A के नाम से भी जाना जाता है, किस संगठन का पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है?
(A) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(B) राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र
(C) भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान
(D) अंतरिक्ष अनुप्रयोग विभाग

1-{C} - 2-{A} - 3-{B} - 4-{D} - 5-{A} - 6-{B} - 7-{D} - 8-{C} - 9-{B} -10-{A}